अपनी धुन में रहता हूँ ...

अपनी धुन में रहता हूँ, राधे राधे कहता हूँ ।।

जबसे तेरा नाम लिया, मेरा जीवन जैसे बदल गया
मारा-मारा फिरता था मुझे, अब तो ठिकाना मिल गया
अब मस्ती में रहता हूँ, राधे राधे कहता हूँ ।।1।। अपनी ...

तेरी कृपा से श्रीराधे, रसिकन का मोहे संग मिला
(मैं) ठोकर खाने वाला था, गुरूदेव ने आके थाम लिया
अब सत्य शरण में रहता हूँ, राधे राधे कहता हूँ ।।2।। अपनी ...

ना जाने दुनिया भर के सब, कारज कैसे होते हैं
जो नहीं लेते नाम तेरा वो, जाने कैसे जीते हैं
हम प्रिया शरण में रहते हैं, राधे राधे कहते हैं ।।3।। अपनी.

कहे 'गोविन्ददास' मैं तेरी, आस लगाये बैठा हूँ
ना जाने कब कौन गली में, एक झलक मोहे मिल जाये
बस्ती बस्ती फिरता हूँ, राधे राधे कहता हूँ ।।4।। अपनी ...

http://www.govindbhargav.in